सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 71 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 14 अप्रैल, 2022

मूल्य ₹ 3/-

मैं ऐसे धर्म को मानता हूं जो स्वतंत्रता, समानता और भाई-चारा सिखाए।
-बी. आर. अम्बेडकर

बाबा साहेब को हराने वाले को कांग्रेस ने दिया... 8 | विधान परिषद चुनाव नतीजों ने... 3 | आर्मी के टैंकर से टकरायी बाइक... 7

सीएम योगी ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को किया नमन, बोले

भेदभाव रहित समाज का निर्माण ही संविधान निर्माता को सच्ची श्रद्धांजलि

फोटो: सुमित कुमार

» सामाजिक असमानता को दूर करने को संविधान में किए थे कई प्रावधान

» मुख्यमंत्री ने हजरतगंज में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 131वीं जयंती पर उनको नमन किया। सीएम ने हजरतगंज में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। आंबेडकर महासभा के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने कहा था कि चुनौती से भागना नहीं, सामना करना चाहिए। एक स्वतंत्र भारत को कैसा भारत बनना चाहिए यह बाबा साहेब आंबेडकर ने बताया था। भारत के संविधान में समानता और बंधुत्व का भाव आंबेडकर ने दिया, जिसका नतीजा है कि आज दुनिया में भारत एक नई प्रेरणा के रूप में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि भीमराव आंबेडकर के पंच तीर्थों की स्थापना पीएम नरेंद्र मोदी ने की। यूपी सरकार ने हर गरीब और वंचित को आवास दिए। यूपी में 43 लाख गरीबों को अब तक आवास दिए गए हैं। बाबा साहब डा. आंबेडकर ने सामाजिक असमानता को दूर करने और वंचित वर्गों को सामाजिक न्याय दिलाने के उद्देश्य से भारत के संविधान में अनेक प्रावधान किए। भारतीय संविधान के निर्माण में बाबा साहेब के योगदान के लिए देशवासी सदैव उनके प्रति कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने आजीवन अनुसूचित जाति सहित सभी उपेक्षित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के सशक्तीकरण के उनके प्रयास हम सभी को प्रेरणा देते रहेंगे। भेदभावरहित एवं समरस समाज का निर्माण ही हम सभी की डा. आंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविद और पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट किया, 'आंबेडकर जयंती पर बाबा साहेब को विनम्र श्रद्धांजलि! सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर, बाबा साहेब ने संविधान शिल्पी के रूप में आधुनिक भारत की नींव रखी। आइए, हम उनके 'पहले भी भारतीय, बाद में भी भारतीय और अंत में भी भारतीय' के आदर्श पर चलते हुए समावेशी समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा, 'डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उन्होंने भारत की प्रगति में अमिट योगदान दिया है। यह हमारे देश के लिए उनके सपनों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है।'

ये भी रहे मौजूद

इस मौके पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के साथ कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण, पूर्व मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह, पूर्व राज्यसभा सदस्य जुगुल किशोर तथा लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया भी मौजूद रहीं।

यह कैसा संविधान! बाबा साहेब की जयंती पर काशी में अजान के वक्त हनुमान चालीसा का पाठ

» यह क्या हो रहा है गंगा-जमुनी तहजीब वाली काशी में

» छतों पर लाउडस्पीकर लगाकर किया जा रहा पाठ

» श्रीकाशी विश्वनाथ ज्ञानवापी मुक्ति आंदोलन ने की शुरुआत

» महाराष्ट्र से धर्मनगरी काशी तक पहुंचा अजान विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। महाराष्ट्र के बाद अब अजान विवाद गंगा-जमुनी तहजीब वाली काशी पहुंच गया है। श्रीकाशी विश्वनाथ ज्ञानवापी मुक्ति आंदोलन की ओर से छतों पर लाउडस्पीकर लगाकर लोग अजान के वक्त हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। सामाजिक सौहार्द और भेदभाव रहित समाज के पैरोकार और संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर भी लोगों ने अजान के वक्त हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसने देश के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या धर्मनिरपेक्ष संविधान इसकी अनुमति देता है?

पिछले दिनों महाराष्ट्र में मनसे प्रमुख राज ठाकरे के मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की चेतावनी के बाद वहां लाउडस्पीकर से अजान के विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है। काशी में श्रीकाशी विश्वनाथ ज्ञानवापी मुक्ति आंदोलन के अध्यक्ष सुधीर सिंह अपने साथियों के साथ अजान के वक्त हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। उनका कहना है कि लाउडस्पीकर पर अजान से लोगों की नींद में खलल पड़ती है इसका अहसास दिलाने के लिए यह किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य गंगा-जमुनी तहजीब को बिगाड़ा नहीं है लेकिन धार्मिक आजादी के नाम पर शहर की अशांति को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। सवाल यह है कि क्या इन तरीकों से अशांति नहीं उत्पन्न होगी?

अब नेहरू म्यूजियम नहीं प्रधानमंत्री संग्रहालय कहिए

» बदला गया नाम, उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस पर इशारों में कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिरकार आज नेहरू म्यूजियम का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय कर दिया गया । पीएम नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया। म्यूजियम का पहला टिकट खरीदकर वे अंदर गए।

पीएम मोदी ने कहा कि इसके जरिए देश की आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान, विचार और अनुभव मिलेगा। भारतवासियों के लिए बहुत गौरव की बात है कि हमारे ज्यादातर प्रधानमंत्री बहुत ही साधारण परिवार से रहे हैं। भारत की एक स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा रही है। कुछ ही मौके ऐसे रहे हैं, जब लोकतंत्र की इस स्वस्थ परंपरा का पालन नहीं किया गया। उनकी इस टिप्पणी को आपातकाल से जोड़कर देखा जा रहा है। बता दें कि दिल्ली स्थित नेहरू म्यूजियम का ही नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय रखा गया है।

एक्शन में सीएम योगी, कहा हर विभाग को रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे

» सभी विभागों को 100 दिन बाद जनता को देना होगा काम का ब्योरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों व अफसरों से कहा है कि सभी विभागों को 100 दिन के बाद जनता के सामने अपने काम का ब्योरा देना होगा। जनहित की योजनाओं के लिए धनराशि की कमी नहीं है, लेकिन वित्तीय संतुलन जरूरी है। उन्होंने सभी को मितव्ययिता पर ध्यान देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कृषि सेक्टर से जुड़े विभागों की ओर से प्रस्तावित कई नई योजनाओं व कार्यक्रमों पर आगे बढ़ने को हरी झंडी दे दी है। उन्होंने प्रदेश की आवश्यकता के अनुसार खाद्य तेलों व दलहन उत्पादन की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता वाले मंत्रिमंडल के समक्ष कृषि सेक्टर से जुड़े सात विभागों ने भावी कार्ययोजना की प्रस्तुतिकरण हुआ। इसी बैठक में मुख्यमंत्री ने ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग को रोजगार सृजन के अवसरों पर फोकस रखना होगा और जो योजना शुरू की जाए उसे समयबद्ध रूप से संचालित किया जाए। राज्य सरकार किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि के लिए संकल्पित है। आगले 5 वर्ष में ऐसा परिवेश तैयार किया जाए जहां पर्यावरण संवेदनशील कृषि व्यवस्था हो। खाद्यान्न एवं पोषण की सुरक्षा हो। उन्होंने प्रदेश की बढ़ती आबादी के लिए खाद्य तेलों व दलहन की उपलब्धता बढ़ाने पर खास जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हर कृषि विज्ञान केंद्र को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाए। केवीके में इंफ्रास्ट्रक्चर पर्याप्त हैं। हर सेंटर में एक प्रोसेसिंग यूनिट जरूर हो, इससे किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीक एवं पारंपरिक कृषि विज्ञान का अपेक्षित उपयोग किया जाना चाहिए। कृषि शिक्षा और कृषि अनुसंधान को कृषकोन्मुखी और जवाबदेह बनाने की जरूरत है। उन्होंने नहरों के टेल तक पानी पहुंचाने के लिए ठोस प्रयास के निर्देश दिए। कहा, कि बाढ़ बचाव से संबंधी कार्य 15 जून से पहले पूरे कर लिए जाएं। पुराने तटबंधों की मरम्मत समय से कर ली जाए। योगी ने फसल बीमा योजना के सर्वेक्षण प्रणाली को सरल बनाने का निर्देश दिया।

14 दिन में किसानों को करेंगे गन्ना मूल्य का भुगतान

मुख्यमंत्री ने हर जिले में निर्यात की जा सकने वाली उपज का चिन्हीकरण करने का निर्देश दिया। कहा कि यह योजना ओडीओपी की तर्ज पर लागू की जा सकती है। उन्होंने एक्सप्रेस-वे पर जमीन चिन्हित कर नई मंडियों की स्थापना कराने तथा पीपीपी मॉडल पर मंडियों में प्रसंस्करण इकाइयों को स्थापित करने की नीति तैयार करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान 14 दिनों के भीतर करने के लिए हम संकल्पबद्ध हैं। इसके लिए सभी जरूरी प्रयास के निर्देश दिए। उन्होंने अगले 100 दिनों में 8,000 करोड़ व छह महीने में 12,000 करोड़ गन्ना मूल्य भुगतान का लक्ष्य दिया।

100 दिनों में बनाएं गो-अभयारण्य

मुख्यमंत्री ने छुट्टा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए अगले 100 दिनों में गो-अभयारण्य की स्थापना का निर्देश दिया। कहा, गोवंश संरक्षण के साथ केंद्र को स्वावलंबी बनाया जाए। उन्होंने 100 दिन में 50,000 निराश्रित गोवंश को पंचायती राज व नगर विकास से समन्वय कर दिलाने तथा छह माह में 1 लाख निराश्रित गोवंश के लिए व्यवस्थित आश्रय स्थल तैयार कराने का निर्देश दिया।

परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने का निर्देश

मुख्यमंत्री ने गंगा नदी के किनारे 35 जिलों में प्राकृतिक खेती की परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया। कहा कि विकास खंड स्तर पर 500-1000 हेक्टेयर क्षेत्रफल के क्लस्टर का गठन हो। हर क्लस्टर में एक चैंपियन फॉर्मर, एक सीनियर लोकल रिसोर्स पर्सन, 2 लोकल रिसोर्स पर्सन व 10 कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन का चयन किया जाए। पीएम किसान योजना में नाम मिस मैच होने की समस्या का भर संज्ञान लिया गया। योगी ने अभियान चला कर डेटा सुधार और 31 मई तक कृषकों की ई-केवाईसी पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन अपात्रों ने योजना का लाभ लिया है, उनसे वसूली भी की जाए।

डीएम सुहास आदेश का पालन करें या हाजिर हों : हाईकोर्ट

» पांच जुलाई तक आदेश का पालन कर देना है एफिडेविट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गौतमबुद्धनगर के डीएम सुहास एलवाई को अवमानना नोटिस जारी कर आदेश का पालन करने या फिर पांच अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने डीएम से स्पष्टीकरण मांगा है कि क्यों न कोर्ट के आदेश की अवहेलना पर उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही की जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव ने वीना कुमारी व अन्य की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। डीएम को एक अन्य मामले में भी अवमानना नोटिस जारी हुई है।

कोर्ट ने कहा है कि आदेश का पालन करने की दशा में हाजिर होने की जरूरत नहीं होगी। याची की ओर से अधिवक्ता सौमित्र द्विवेदी और शौर्य कृष्ण ने पक्ष रखा। कोर्ट ने 22 जनवरी 2021 को डीएम को वसूली कार्यवाई तीन माह में पूरा करने का निर्देश दिया था और कहा था कि जरूरी हो तो पुलिस बल मुहैया कराया जाए, जिसका पालन नहीं किया गया। गौतबुद्धनगर के डीएम को इसके अलावा जेकेजी कंस्ट्रक्शन कंपनी की अवमानना याचिका पर भी अवमानना नोटिस जारी हुई है। मामले में कंपनी के खिलाफ रेरा अथॉरिटी ने वसूली कार्रवाई शुरू की, जिसे याचिका के माध्यम से चुनौती दी गई। कोर्ट ने कंपनी के खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी। इसके बावजूद कंपनी का बैंक खाता जब्त कर लिया गया। इस पर यह अवमानना याचिका दाखिल कर आदेश की अवहेलना करने के लिए दंडित करने की मांग की गई है। मामले में डीएम सुहास एलवाई को पांच जुलाई तक आदेश का पालन कर व्यक्तिगत हलफनामा फाइल करना होगा अन्यथा उन्हें पेश होना पड़ेगा।

एमएलसी चुनाव में भाजपा की जीत से ज्यादा वाराणसी के हार की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» भाजपा से बेहतर प्रदर्शन समाजवादी पार्टी का रहा

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में काफी प्रयास के बाद भी भाजपा के एमएलसी पद के उम्मीदवार को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा है। वहीं भाजपा के लिए वाराणसी का चुनाव परिणाम सबसे बड़ी चुनौती भी लेकर सामने आई है। माना जा रहा है माफिया बृजेश से पार्टी की दूरी का संकेत देते हुए ही सुदामा पटेल को पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनाया गया था। लेकिन, पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के बृजेश सिंह संग मिलीभगत से पार्टी की जमानत तक जब्त हो गई।

इस बाबत पार्टी के उम्मीदवार ने चुनाव के पूर्व ही कई बार वरिष्ठों से शिकायत कर पार्टी के खिलाफ जाकर बृजेश सिंह की पत्नी अन्नपूर्णा के लिए काम करने का आरोप लगाया था। पार्टी में शीर्ष स्तर पर शिकायत के बाद भी भाजपा को वाराणसी में बुरी तरह पराजय झेलना पड़ा है। जबकि उत्तर प्रदेश में 36 में 33 सीटें जीत कर भाजपा ने जहां इतिहास रचा है वहीं तीन में से दो हारी हुई सीटें वाराणसी और आजमगढ़ होने से पूर्वांचल में भाजपा के लिए चिंता की खबरें हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

रोडवेज की बसों का सफर हुआ महंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में टोल की दरों में बढ़ोतरी के बाद अब रोडवेज की बसों में सफर करने वाले यात्रियों को अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में एक रुपये से लेकर 7 रुपये तक किराया बढ़ा दिया गया है। बढ़ा हुआ किराया तत्काल प्रभाव से लागू भी कर दिया गया है। हालांकि यह बढ़ोतरी केवल टोल मार्गों पर होगी। इसका मतलब है कि कानपुर से दिल्ली लखनऊ, आगरा समेत उन सभी जगहों का किराया बढ़ा है, जहां जाने के लिए टोल देना पड़ता है। उधर, यात्री इस बढ़े हुए किराए से नाराज हैं। वह कहते हैं कि लगातार महंगाई बढ़ रही है, अब सफर भी महंगा हो गया। बता दें कि निगम ने साधारण बसों में 100 किलोमीटर तक का सफर करने वाले यात्रियों से 1 रुपये से लेकर डेढ़ रुपए तक किराए को बढ़ाया है।

अपराध के बजाय मन को उत्कृष्ट बनाता है भगवा : अपर्णा

» बांकेबिहारी मंदिर पहुंचीं मुलायम परिवार की बहू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव द्वारा भगवा वस्त्रों में अपराधी घूमते हैं किए गए ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हीं के छोटे भाई की बहू और भाजपा नेत्री अपर्णा यादव ने कहा कि भगवा हमारे देश का और हमारी संस्कृति का अहम हिस्सा रहा है। पूरा संत समाज भगवा में है और भगवा वस्त्र धारण करते ही मन के सारे विचार उत्कृष्टता की ओर बढ़ते हैं, न कि आपराधिक विचार व्यक्ति में आते हैं।

सनातन संस्कृति के बारे में इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने ये बात क्यों कही, ये इस पर मैं कुछ नहीं बोल सकती। भगवा के विषय में जो मेरा ज्ञान है, मुझे पता है साधुओं, संन्यासियों, यतियों व मुनियों का यही वस्त्र है। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में बुधवार शाम दर्शन करने पहुंचीं मुलायम परिवार की बहू और भाजपा नेत्री अपर्णा यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ सबका विकास के विजन को जनता ने स्वीकार किया है। यही कारण है भाजपा पर देश की जनता का भरोसा है। राज ठाकरे द्वारा महाराष्ट्र में लाउड स्पीकर पर अजान की रोक के बयान पर अपर्णा ने कहा, राज ठाकरे इस तरह के बयान क्यों दे रहे हैं, इसके बारे में पता नहीं।

चुनाव में कांग्रेस की हार की समीक्षा करेंगे जितेंद्र सिंह

» शीर्ष नेतृत्व को सौंपेंगे पूरे मामले की रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के कारणों की समीक्षा और प्रदेश संगठन में फेरबदल के बारे में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों व चुनाव में उतरे प्रत्याशियों से चर्चा करने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह 15 अप्रैल को उप्र के दौरे पर आएंगे। पार्टी पदाधिकारियों और प्रत्याशियों से चर्चा के बाद वह अपनी रिपोर्ट कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को सौंपेंगे।

चुनावी हार के बाद प्रदेश में पार्टी के भीतर उपजी स्थितियों का आकलन करने और चुनाव में उतरे कांग्रेस प्रत्याशियों और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर संगठन में बदलाव के बारे में सुझाव देने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पिछले महीने भंवर जितेंद्र सिंह को जिम्मेदारी सौंपी थी। वह उप्र विधान सभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से गठित की गई स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष भी थे। कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से सौंपे गए दायित्व के क्रम में भंवर जितेंद्र सिंह पार्टी की सलाहकार समिति के सदस्यों, वरिष्ठ नेताओं, उप्र कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, जिला व शहर कमेटी के अध्यक्षों/ कार्यकारी अध्यक्षों, फ्रंटल संगठनों/ विभागों/ प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों और विधान सभा चुनाव में उतरे कांग्रेस प्रत्याशियों के साथ जिलेवार समीक्षा बैठकें करेंगे। वह 15 और 16 अप्रैल को राजधानी लखनऊ में उप्र कांग्रेस कमेटी कार्यालय में समीक्षा बैठकें करेंगे। 17 अप्रैल को वह जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय वाराणसी और 19 अप्रैल को झांसी में समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद 20 व 21 अप्रैल को वह नई दिल्ली में गुरुद्वारा रकाबगंज स्थित कांग्रेस कार्यालय में बैठक करेंगे। समीक्षा बैठकों में भाग लेने के लिए कांग्रेस के प्रदेश महासचिव (संगठन) दिनेश सिंह की ओर से पार्टी के पदाधिकारियों को पत्र भेज दिया है।

विधान परिषद चुनाव नतीजों ने बढ़ाई सपा की चुनौती, दुरुस्त करने होंगे संगठन के कील-कांटे

» अपने गढ़ आजमगढ़ में सपा जुटा पाई नाम मात्र के वोट, सपा नेताओं के द्वंद्व ने बिगाड़ी बात

» उपचुनाव से पहले पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को बनानी होगी नयी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान परिषद चुनाव नतीजों ने सपा की चुनौती बढ़ा दी है। पार्टी का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। वह 36 में से एक भी सीट पर कब्जा नहीं जमा सकी। उसे सबसे बड़ा झटका आजमगढ़ में लगा। विधान सभा चुनाव में यहां की सभी दस सीटों पर कब्जा करने वाली सपा प्रत्याशी को विधान परिषद चुनाव में नाममात्र के वोट मिले हैं। इस चुनाव में पार्टी को मिले वोट इस बात का प्रमाण हैं कि यहां पार्टी नेताओं का द्वंद्व थमा नहीं है। ऐसे में उपचुनाव से पहले शीर्ष नेतृत्व को कील-कांटे दुरुस्त करने होंगे।

विधान परिषद प्राधिकारी चुनाव में सपा के कई उम्मीदवारों ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से अपील की थी कि स्थानीय विधायकों की संयुक्त बैठक कर चुनाव की रणनीति बनाई जाए लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ज्यादातर वरिष्ठ नेता क्षेत्र में जाने से भी कतराते रहे। कई जगह सपा उम्मीदवारों ने मतदाताओं से मिलना भी जरूरी नहीं समझा। ऐसे में सपा के स्थानीय क्षत्रप भी इस चुनाव में एकजुट नहीं दिखे। सपा के वरिष्ठ नेताओं ने जिस तरह से इस चुनाव से दूरी बनाई, वह भविष्य के लिहाज से ठीक नहीं माना जा रहा है। प्राधिकारी क्षेत्र की 35 सीट पर चुने जाने वाले 36 एमएलसी में अब तक 33 पर सपा काबिज थी। सात एमएलसी पार्टी छोड़कर भाजपा में चले गए। सिर्फ 11 दोबारा चुनाव मैदान में थे। सपा के नए उम्मीदवारों में पांच ने पर्चा वापस ले लिया तो चार के खारिज हो गए। इस तरह शेष 27 सीटों पर सपा उम्मीदवार चुनाव लड़े थे लेकिन सभी हार गए। खास बात यह है कि आजमगढ़-मऊ में पार्टी की हर रणनीति फेल रही। यहां आपसी लड़ाई ने सपा को सिर्फ 356 वोट मिले जबकि दोनों जिलों को मिलाकर सपा के 13 विधायक हैं। यहां भाजपा के अरुणकांत यादव 1262 और निर्दलीय विक्रांत सिंह को 4077 वोट मिले हैं। ऐसे में आजमगढ़ में होने वाले लोक सभा उपचुनाव के मद्देनजर शीर्ष नेतृत्व को कड़े कदम उठाने होंगे। मुलायम सिंह के गढ़ इटावा-फर्रुखाबाद में भी सपा उम्मीदवार हरीश को सिर्फ 725, आगरा-फिरोजाबाद में सपा के दिलीप को 905, लखनऊ में सुनील सिंह साजन को सिर्फ 400 वोट मिल पाए हैं।

यहां भी दम नहीं दिखा सके प्रत्याशी

सपा को मिलने वाले वोटों को देखें तो प्रयागराज में सपा उम्मीदवार वासुदेव यादव को 1522, झांसी- जालौन- ललितपुर के श्याम सिंह को 1513, सुल्तानपुर की शिल्पा प्रजापति को 1209, मुरादाबाद-बिजनौर के अजय प्रताप सिंह को 1107, अयोध्या के हीरालाल यादव को 1047 वोट मिले। सपा उम्मीदवारों में सबसे कम सिर्फ 61 वोट सीतापुर के अरुणेश यादव को मिले हैं।

छिन जाएगा विधान परिषद से नेता प्रतिपक्ष का पद

प्राधिकारी चुनाव में मिली हार से सपा से विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष का पद छिन जाएगा। अभी सपा के 17 एमएलसी बचे हैं। इनमें 28 अप्रैल को तीन, 26 मई को तीन और छह जुलाई को छह एमएलसी का कार्यकाल खत्म हो जाएगा। इस तरह सपा के 5 एमएलसी बचेंगे। नवनिर्वाचित विधायकों की संख्या के अनुसार सपा गठबंधन चार एमएलसी मनोनीत कर सकेगी। इस तरह परिषद में सपा के कुल 9 ही एमएलसी होंगे। नियमानुसार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष का पद सपा को तभी मिलेगा जब उसके पास 10 एमएलसी हों।

पहले भी सत्ता पक्ष का रहा है कब्जा

विधान परिषद प्राधिकारी चुनाव में आमतौर पर जिसकी सरकार रही है उसके सर्वाधिक एमएलसी चुने जाते रहे हैं। वर्ष 2010 में बसपा सरकार में बसपा के 34, सपा के एक और कांग्रेस का एक एमएलसी चुना गया था। इसी तरह वर्ष 2016 में सपा को 33, बसपा, कांग्रेस व निर्दल को एक-एक सीट मिली थी।

अब सपनों के आशियाने पर लगी महंगाई की नजर तीस फीसदी तक बढ़ी निर्माण सामग्री की कीमतें

» सीमेंट, सरिया, ईंट, मौरंग सभी हुए महंगे

» लेबर और ठेके पर काम करने वालों ने भी बढ़ाए रेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब सपनों के आशियाने पर भी महंगाई की नजर लग गयी है। तीन महीने के भीतर भवन निर्माण सामग्री तीस फीसदी तक महंगी हो गयी है। सीमेंट, सरिया, ईंट, मौरंग, बालू समेत सभी चीजों के दाम में लगातार उछाल बना हुआ है। निर्माण सामग्री की कीमतों को देखा जाए तो करीब 10 से लेकर लगभग 30 प्रतिशत तक का इजाफा हो चुका है। लेबर और ठेके पर भवन निर्माण कराने वाले लोगों ने भी अपने रेट बढ़ा दिए हैं।

ईंट, मौरंग, सरिया के बाद अब अचानक सीमेंट के दाम में प्रति बोरी 35 से 50 रुपये का इजाफा हो गया है। कारोबारियों के मुताबिक, अचानक बढ़ाई गई कीमतों पर कंपनियों ने कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया है। उनका कहना है कि अचानक इतनी वृद्धि से चले रहे निर्माण कार्यों में ब्रेक लगना स्वाभाविक है। रूस-यूक्रेन युद्ध का असर सरिया पर पड़ा है। कच्चे माल की उपलब्धता न होने से सरिया की कीमतों में करीब 30 प्रतिशत की तेजी लगातार बनी हुई है। स्टील के थोक व्यापारी विशाल अग्रवाल का कहना है कि कच्चा माल न होने और रूस-यूक्रेन युद्ध से इस्पात बाजार में उछाल बना हुआ है। कच्चा माल न होने से काफी दिनों से छोटी मिलें बंद हैं। रायपुर, रायगढ़, गैलेंट, कामधेनु, टाटा, जिंदल समेत सभी ब्रांड की सरिया का भाव चढ़ा है। टाप ब्रांड एक लाख रुपये प्रति टन का आंकड़ा छू रहे हैं।

> आमतौर पर अभी तक कंपनियां अधिकतम 10 रुपये प्रति बोरी का इजाफा करती थीं लेकिन अचानक कंपनियों ने मनमाने तरीके से सीमेंट के दाम में बढ़ोतरी कर दी है। कोरोना काल में पहले से ही निर्माण कार्य बंद थे। अब अचानक की गई इस बड़ी बढ़ोतरी से काम में बाधा आएगी।
>
> श्याममूर्ति गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष, उप्र सीमेंट व्यापार संघ

> भट्ठों में ईंधन के रूप में प्रयोग होने वाला कोयला और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी होने के कारण ईंट के दाम में तेजी आई है। जो ईंट आठ हजार रुपये में मिलती थी, अब उसकी कीमत नौ हजार रुपये हो गई है। दो नंबर वाली ईंट भी महंगी हुई है।
>
> मुकेश मोदी, महामंत्री, लखनऊ ब्रिक क्लिन एसोसिएशन

सीमेंट के दाम

ब्रांड -	10 अप्रैल	12 अप्रैल
एसीसी	410	460
अल्ट्राटेक	390	440
बिरला सम्राट	350	400
अंबुजा	360	395
बांगर	380	415
केजेएस	300	330

(नोट: ये कीमतें प्रदेश अध्यक्ष सीमेंट व्यापार संघ की ओर से दी गई हैं।)

श्रम व निर्माण कार्य

मद-	पहले	अब (रुपये में)
लेबर	400	600 (प्रतिदिन)
मिस्त्री	500	700 (प्रतिदिन)

	पहले	अब
प्रति घन फीट निर्माण -	100	130
सामग्री समेत रेट प्रति स्क्वायर फीट	1000 से 1200	1,500 से 1,650

सामग्री	मार्च	अब (रुपये प्रति ट्रक)
गिट्टी	68,000	62,000
मौरंग	65,000	55,000
बालू	25,000	30,000

ईंट	पहले	अब (कीमत रुपये में प्रति हजार ईंट)
अव्वल	8,000	9,000
नंबर दो	7,000	8,000

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

फिर बजने लगी खतरे की घंटी

सवाल यह है कि क्या देश में कोरोना की एक और लहर की आहट सुनाई देने लगी है? संक्रमण के केस अचानक क्यों बढ़ने लगे हैं? क्या वैक्सीनेशन और कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने में बरती जा रही लापरवाही संक्रमण दर को बढ़ा रहा है? क्या चीन की तरह एक बार फिर भारत में पाबंदियों का दौर शुरू हो सकता है?

चीन और कई यूरोपीय देशों में कहर मचा रहा कोरोना एक बार फिर भारत में वापसी करता दिख रहा है। देश के कई राज्यों में कोरोना के नए वैरिएंट एक्सई ने चौथी लहर की आशंका उत्पन्न कर दी है। वहीं उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद और नोएडा के आधा दर्जन से अधिक स्कूलों के छात्रों में संक्रमण की पुष्टि ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। केंद्र ने इस मामले में राज्यों से सतर्कता बरतने और कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की चेतावनी जारी की है। सवाल यह है कि क्या देश में कोरोना की एक और लहर की आहट सुनाई देने लगी है? संक्रमण के केस अचानक क्यों बढ़ने लगे हैं? क्या वैक्सीनेशन और कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने में बरती जा रही लापरवाही संक्रमण दर को बढ़ा रहा है? क्या चीन की तरह एक बार फिर भारत में पाबंदियों का दौर शुरू हो सकता है? क्या लोगों को अगले कुछ सालों तक कोरोना के साथ ही जीने की आदत डालनी होगी? क्या देश की स्वास्थ्य सेवाएं एक और लहर का सामना करने में सक्षम है?

तीसरी लहर अभी खत्म भी नहीं हुई कि एक नए वैरिएंट ने देश में दस्तक दे दी है। चीन में हाहाकार मचा चुके एक्सई वैरिएंट गुजरात और महाराष्ट्र में दस्तक दे चुका है और जिस तेजी से यह वैरिएंट फैलता है उससे इसके अन्य राज्यों तक पहुंचने का खतरा बना हुआ है। संक्रमण की बढ़ती रफ्तार इस आशंका को और बल दे रहा है। पिछले चौबीस घंटे में करीब ग्यारह सौ लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। वहीं दिल्ली से सटे गाजियाबाद और नोएडा के कई स्कूलों में कोरोना ने दस्तक दे दी है। इन स्कूलों में दो दिन के भीतर तीन दर्जन से अधिक छात्र संक्रमित हो चुके हैं। इसमें तीन शिक्षक भी शामिल हैं। इन छात्रों के संपर्क में आए तमाम लोगों के भी संक्रमित होने की आशंका है। लिहाजा संक्रमण को देखते हुए आधा दर्जन स्कूलों को फिलहाल बंद कर दिया गया है। हकीकत यह है कि सरकार की तमाम हिदायतों के बावजूद लोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन नहीं कर रहे हैं। लोग न तो सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं न ही मास्क लगा रहे हैं। इसके कारण संक्रमण फिर रफ्तार पकड़ने लगा है। इसके अलावा 15 वर्ष से ऊपर के सभी छात्रों को अभी वैक्सीन की डोज भी नहीं लग सकी है। इसके कारण भी किशोर छात्र इसकी जद में आ रहे हैं। जाहिर है सरकार को तत्काल कोरोना प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए न केवल कड़े कदम उठाने चाहिए बल्कि छात्रों के वैक्सीनेशन की रफ्तार भी तेज करनी चाहिए। अन्यथा हालात खराब हो सकते हैं। यह स्थिति देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए किसी भी तरह उचित नहीं होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वैश्विक खाद्य सुरक्षा को खतरा

देविंदर शर्मा

यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद विश्व खाद्य बाजार को पुन: उथल-पुथल का सामना करना पड़ सकता है, जिससे दुनियाभर की खाद्य सुरक्षा पर संकट मंडराने की स्थिति बनेगी। विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक, डेविड बीस्ली ने स्वीकार किया है 'यूक्रेन में चलने वाली गोलियां और बम विश्व भूख सूचकांक में इस स्तर का संकट पैदा कर सकते हैं, जो इससे पहले हमने कभी देखा न हो'। वर्ष 2007-08 में छाए वैश्विक खाद्य संकट की वजह से वस्तुओं की निरंतर बढ़ती कीमतें नियंत्रण से बाहर हो गई थीं। इसके कारकों की कड़ी में- बढ़ता तेल मूल्य, उपज का एक बड़ा हिस्सा बायो-ईंधन उत्पादन में और वस्तुओं के ऊंचे वायदा मूल्य- जो सब आपस में जुड़े रहते हैं, इनकी वजह से न केवल वैश्विक खाद्य आपूर्ति में कमी हुई थी बल्कि 37 देशों में भोजन को लेकर दंगे तक हुए थे। इस स्थिति की पुनरावृत्ति न होने पाए, यह सुनिश्चित करने वाले निदान-उपाय करने के बावजूद युद्ध से पहले वस्तुओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं। वर्ष 2021 में खाद्य मूल्यों ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए है।

काला सागर क्षेत्र में चले हुए युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला भंग है, यहीं से विश्वभर की जरूरत का 30 प्रतिशत गेहूं, 28 फीसदी जौ, 18 प्रतिशत मक्का और 75 फीसदी सूरजमुखी तेल मिलता है। संसार के सामने एक बार फिर से गंभीर खाद्य संकट बनने लगा है। मुश्किल की तीव्रता कितनी रहेगी, यह समय बताएगा। खाद्यान्न को लेकर इराक और श्रीलंका में प्रदर्शन हो रहे हैं, इस बीच बहुत से देशों ने अपनी घरेलू खाद्य आपूर्ति सुरक्षित बनाए रखने की खातिर संरक्षणवादी उपाय अपना लिए हैं। रूस पर अमेरिका द्वारा लगाए प्रतिबंधों के कारण, खाद की कीमतें भी बढ़ी हैं। रूस दुनिया में नाइट्रोजन खाद का सबसे बड़ा निर्यातक है ही, फास्फोरस और पोटाश युक्त खाद उत्पादन में भी इस इलाके का दबदबा है। इससे भारत समेत बहुत से देशों में किसान की उत्पादन लागत में इजाफा होने का आशंका है। आगामी फसलों की बुवाई प्रभावित होगी, अतएव खाद्य उपलब्धता पर असर पड़ेगा। मध्य पूर्व, हॉर्न ऑफ अफ्रीका उत्तर अफ्रीका और अफगानिस्तान जैसे मुल्कों पर सबसे पहले मार पड़ने की आशंका है। भोजन को लेकर अफ्रीका महाद्वीप में मिस्र, मेडागस्कर, मोरक्को, ट्यूनीशिया, यमन और एशिया में पड़ते लेबनान, इंडोनेशिया, फिलीपींस,

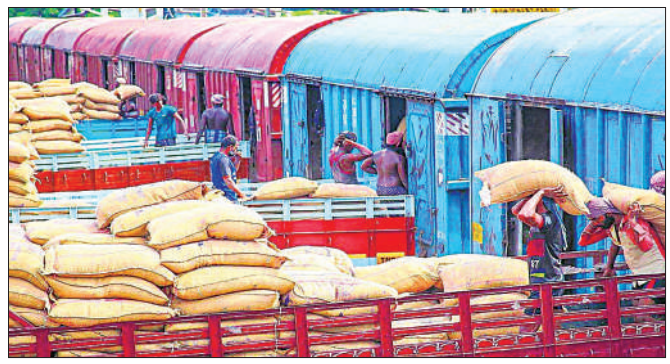

बांग्लादेश, पाकिस्तान, तुर्की, ईरान और इराक सबसे कमजोर मुल्कों में आते हैं क्योंकि इनकी खाद्यान्न आपूर्ति युद्ध-ग्रस्त क्षेत्र पर निर्भर है। यूरोपियन यूनियन में पशुओं के चारे की बढ़ती कीमतों ने पशुपालन उद्योग को प्रभावित किया है,इससे मीट का मूल्य बढ़ गया है। स्पेन ने सुपर मार्किटों में खाद्य-तेल की राशनिंग लागू कर दी है। यदि यूक्रेन युद्ध लंबा खिंचा तो खाद्य कीमतों का असर बिना शक सभी देशों को प्रभावित करेगा। लड़ाई से पहले भी गेहूं की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई छू गई थीं। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के मुताबिक वर्ष 2021 में गेहूं और जौ की कीमतों में पिछले साल (2020) की तुलना में 31 फीसदी इजाफा हुआ। मक्का की कीमत भी पिछले वर्ष की तुलना में 44 फीसदी अधिक रही। 2021 में सूरजमुखी तेल के मूल्य में भी रिकॉर्ड 63 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस साल मार्च महीने के पहले सप्ताह में ही गेहूं की कीमतों ने वह स्तर छू लिया, जो 2008 के खाद्य संकट के वक्त रहा था। विश्व खाद्य संगठन के दो अनुमानों के अनुसार, पहले से ऊंचाई छू गए इन मूल्यों में और 22 प्रतिशत वृद्धि होने की आशंका है, इससे वर्ष 2022-23 में कुपोषितों की संख्या में आगे 80 लाख से 1.3 करोड़ लोगों का इजाफा हो सकता है।

भूख और कुपोषण का प्रकोप अधिकांशत: एशिया-प्रशांत, उप-सहारा अफ्रीका और मध्य-पूर्व एशिया के क्षेत्र में बढ़ेगा। इधर भारत में खाद्यान्न निर्यातक आपूर्ति में बने फर्क को भरने के लिए तैयारी कर रहे हैं, आईटीसी कंपनी को उम्मीद है कि आने वाले सालों में गेहूं का निर्यात बढ़कर लगभग 2.1 करोड़ टन छू लेगा। विश्व किसी भी सूरत में अन्य खाद्य संकट की ओर बढ़ रहा है। तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और मुद्रा स्फीति में भी तेज बढ़ोतरी जारी है, खाद्य मूल्य पहले ही बहुत ऊपर हैं, पिछले 40 सालों में सबसे अधिक और बायो-ईंधन जो फसल से बनता हैङ्क उसके उत्पादन में इजाफा हो रहा है। इस सबके बीच, अमेरिका ने कुछ मध्यस्थ कंपनियों को रूस से व्यापार जारी रखने की इजाजत दी है। हालांकि बड़ी कृषि उत्पाद कंपनियों जैसे कि कारगिल, नेस्ले, आर्चर डेनियल मिडलैंड, पेप्सीको और बायर ने वहां अपनी गतिविधियां घटा दी हैं। अब सवाल यह है कि क्यों खाद्य सुरक्षा को चंद बड़े खिलाड़ियों का खेल बनाया जा रहा है।

श्रीलंका का आर्थिक संकट दुनिया के लिए सबक

प्रह्लाद सबनानी

श्रीलंका में स्थिति दिन-प्रतिदिन विकट होती जा रही है। सवाल यह है कि श्रीलंका में ऐसा क्या हुआ है कि वहां के नागरिक एक-एक रोटी के लिए तरस रहे हैं एवं डॉक्टर इसलिए आंदोलन कर रहे हैं कि वे चाहते हैं कि श्रीलंका में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आपातकाल की घोषणा कर दी जाये क्योंकि वहां आवश्यक दवाइयों का नितांत अभाव हो गया है। श्रीलंका में पेट्रोल पम्पों पर लम्बी-लम्बी लाइनें लग रही हैं फिर भी पेट्रोल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। बच्चों के लिए दूध उपलब्ध नहीं है, स्कूल बंद कर दिए गए हैं। देश में मुद्रास्फीति की दर 25 प्रतिशत से अधिक हो गई है। बासमती चावल 480 रुपए प्रति किलो, एक लीटर नारियल तेल 900 रुपए में, एक नारियल 110 रुपए में, उड़द की दाल 800 रुपए प्रति किलो एवं मूंगफली 900 रुपए प्रति किलो बिक रही है। सब्जियां एवं अन्य खाद्य सामग्री भी बहुत महंगी दरों पर बिक रही हैं।

श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार बहुत अधिक (एक अरब अमेरिकी डॉलर से भी कम के स्तर पर) घट गया है जिससे किसी भी वस्तु (पेट्रोल एवं डीजल सहित) के आयात करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। श्रीलंका में यह स्थिति रातोंरात निर्मित नहीं हुई है इसके लिए वहां की सरकार द्वारा लिए गए कई गलत आर्थिक निर्णयों के कारण श्रीलंका में ऐसे हालात निर्मित हो गए हैं। दरअसल, 2019 में राष्ट्रपति चुनाव के समय किए गए कर संबंधी वादों पर अमल करते हुए वैट की दरों को आधा (15 प्रतिशत से घटाकर 8 प्रतिशत) कर दिया गया और देश में वस्तुओं की मांग निर्मित करने के उद्देश्य से अन्य करों में भी भारी कमी की घोषणा की गई, इस कारण सरकारी खजाने की आय में होने जा रही कमी की भरपाई के लिए कोई भी उचित कदम ही नहीं उठाया गया। चुनावी वादे पूरे करने के कारण सरकारी खजाने को अरबों रुपए का नुकसान झेलना पड़ा। सरकारी खजाने की आय में आई कमी की पूर्ति के लिए सरकार को कर्ज लेना पड़ा और श्रीलंका का कर्ज वर्ष 2019 में सकल घरेलू उत्पाद के 94 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2021 में सकल घरेलू उत्पाद का 119 प्रतिशत हो गया। कर की मद से होने वाली आय में आई भारी कमी की पूर्ति नयी मुद्रा को छापकर की जाने लगी जिसके कारण मुद्रास्फीति की दर में भारी उछाल आ गया और वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ने लगे। इस बीच, कोरोना महामारी ने श्रीलंका में भी अपने पैर पसार लिए जिससे पर्यटन क्षेत्र की कमर टूट गई। श्रीलंका के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र की 12 प्रतिशत हिस्सेदारी है। श्रीलंका के लिए विदेशी मुद्रा के अर्जन में तीन क्षेत्र, यथा पर्यटन, विदेशों में बस गए श्रीलंकाइयों द्वारा भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा एवं श्रीलंका से होने वाला वस्त्र-निर्यात, बहुत बड़ी भूमिका अदा करते हैं। दुर्भाग्य से कोरोना महामारी के चलते उक्त तीनों ही क्षेत्र बहुत अधिक विपरीत रूप से प्रभावित हुए हैं। एक अनुमान के अनुसार, आज श्रीलंका पर लगभग 45 अरब अमेरिकी डॉलर का विदेशी कर्ज चढ़ गया है जिसकी किश्तें चुकाने में श्रीलंका सरकार को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

अभी जैसे गलत निर्णयों की श्रृंखला यहां तक थमी नहीं थी कि वर्ष 2020 में श्रीलंका सरकार ने रासायनिक खाद के आयात को पूर्णत: बंद कर 100 प्रतिशत जैविक खेती की ओर रुख कर लिया। रासायनिक खाद के उपयोग को पूर्णत: एकदम बंद करने से कृषि पदार्थों का उत्पादन बहुत कम हो गया। इससे देश में खाद्य पदार्थों की कमी उत्पन्न हो गई। इसकी भरपाई खाद्य पदार्थों का आयात बढ़ाकर की जाने लगी इससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी होने लगी। श्रीलंका को पहली बार चावल का आयात करना पड़ा और जो श्रीलंका कभी चाय का भारी मात्रा में निर्यात करता था, चाय के उत्पादन में आई भारी कमी के चलते उस श्रीलंका से चाय का निर्यात भी लगभग बंद ही हो गया है। आर्थिक क्षेत्र में उत्पन्न समस्याओं से तो सतही तौर पर यही लगता है कि आर्थिक क्षेत्र में कई गलत निर्णय लिए गए हैं जिसके चलते श्रीलंका में आर्थिक स्थिति इस हद तक बिगड़ गई है। इसके अलावा चीन ने श्रीलंका को न केवल अपनी सबसे बड़ी बेल्ट एवं रोड परियोजना में शामिल किया बल्कि हंबनटोटा बंदरगाह को विकसित करने के लिए भारी कर्ज उपलब्ध कराया। इसको दुनिया का सबसे बड़ा बंदरगाह बनाने की योजना बनाई गई थी जबकि इस पर माल की बहुत बड़े स्तर की आवाजाही ही नहीं बन पाई। लिहाजा श्रीलंका, चीन के मकड़जाल में बुरी तरह से फंस गया। वह चीन के कई वित्तीय संस्थानों एवं सरकारी बैंकों से भी ऋण लिया। इसका परिणाम यह हुआ है कि आज श्रीलंका के कुल विदेशी कर्ज का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा रियायती ऋण के नाम पर चीन से लिया गया कर्ज है। श्रीलंका सरकार ने हंबनटोटा बंदरगाह का नियंत्रण भी चीन को 99 वर्षों के लिए पट्टे पर दे दिया है।

श्रीलंका भारत के कई राज्यों से छोटा देश है अत: श्रीलंका में घटित आर्थिक घटनाचक्र से भारत के राज्यों को सीख लेनी ही चाहिए। सबसे पहले तो आर्थिक निर्णय लेने से पूर्व गंभीर विचार करना आवश्यक होना चाहिए। दूसरे, राज्य की वित्तीय स्थिति को किसी भी कीमत पर बिगड़ने नहीं देना चाहिए। जनता को मुफ्त में दी जाने वाली सुविधाओं पर कुछ अंकुश रहना चाहिए। ये सुविधाएं कहीं उस स्तर तक नहीं चली जाएं कि प्रदेश की वित्तीय स्थिति को ही बिगाड़ कर रख दें। तीसरे राज्यों को लगातार यह प्रयास करना चाहिए कि वे किस प्रकार देश के विदेशी मुद्रा भंडार में अपना योगदान बढ़ा सकते हैं।

बच्चों के लिए जरूरी है पर्याप्त नींद

बच्चे की पर्सनालिटी पर पड़ता है उसकी नींद का असर

आपका बच्चा कितनी देर सोता है, इस बात का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अगर आपका बच्चा पर्याप्त नींद लेता है तो ठीक है। लेकिन अगर उसकी नींद, उसकी आयु व अवस्था के अनुसार कम है और पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहा है तो यह आपके लिए चिंता का विषय है। दरअसल, बच्चे की नींद उसकी पर्सनालिटी पर सीधा असर डालती है।

अच्छी नींद सोच को बनाती है पॉजिटिव

यूएस में हाल ही में हुई एक स्टडी के मुताबिक, जिन लोगों को नींद में रूकावट आती है उनकी सोच नकारात्मक हो जाती है, वहीं जो लोग अच्छी नींद लेते हैं वे ज्यादा पॉजिटिव होते हैं। इस अध्ययन के दौरान अनुसंधानकर्ताओं ने लोगों के सोने जागने के समय और रात की अच्छी नींद में नियमित रुकावट, दोनों ही बातों पर फोकस किया। बच्चों में नींद ठीक से न आने की कई वजहें होती हैं। उन्हें भी वर्तमान में चल रही सिचुएशन का तनाव होता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ बच्चों में जल्द सोने का एक स्थायी रुटीन फिक्स करने की सलाह देते हैं। पर्याप्त नींद बॉडी का टेंपरेचर नॉर्मल रखने, शरीर में ऊर्जा के मेटाबॉलिजम को ठीक रखने, रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक ढंग से काम करने, दिन भर जो सूचनाएं आपके दिमाग ने रिसीव की हैं, उनकी प्रॉसेसिंग के लिए बेहद जरूरी है।

अधिक नींद की जरूरत क्यों

मेडिकल दृष्टिकोण से नींद एक ऐसा समय है जब हमारे शरीर के लिए बेहद आवश्यक हॉर्मोंस अपना काम कर रहे होते हैं। दिमाग इस समय का इस्तेमाल जागृत अवस्था में सीखी गई बातों और अनुभवों को व्यवस्थित करने में करता है। शून्य से तीन साल की उम्र में बच्चों के दिमाग का विकास बेहद तेज गति से होता है। ऐसा अनुमान है कि एक नवजात शिशु का शरीर प्रति सेकंड एक मिलियन से भी अधिक नर्व पाथवे बनाता है। संबंध, अनुभव और वातावरण का बच्चों के दिमागी विकास पर गहरा असर पड़ता है। दो साल की उम्र तक बच्चे के दिमाग का 80 प्रतिशत तक विकास हो जाता है। पांच साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते बच्चे के दिमाग का 90 प्रतिशत विकास हो जाता है। जैसे-जैसे बच्चों की उम्र बढ़ती है, उनके जीवन के शुरुआती दिनों की नींद में कमी उनके ध्यान लगाने की क्षमता, संज्ञानात्मक क्षमता और व्यवहार पर असर डालने लगती है।

नींद की कमी को पहचानें

जिन बच्चों की नींद पूरी नहीं होती है वे ज्यादा देर तक किसी चीज में ध्यान नहीं लगा पाते, अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाते हैं, उन्हें तर्क करने और समस्याओं को सुलझाने में समस्या होती है और साथ ही उनमें व्यवहार संबंधी समस्याएं भी देखने को मिलती हैं। ऐसे में बच्चा दुर्घटनाग्रस्त हो सकता है, उसे चोट लग सकती है, जरूरत से ज्यादा खाना खाने लग जाता है या किसी भी बात पर देर से प्रतिक्रिया देता है। उसके मूड में उतार-चढ़ाव भी नींद पूरी न होने का एक लक्षण है।

फिक्स करें सोने का टाइम

- बच्चे को अलग-अलग समय पर न सुलाएं, नहीं तो बच्चा आपसे फ्रीडम लेना शुरू कर देगा जिससे उसका नींद का शेड्यूल डिस्टर्ब हो जाएगा। परिवार की एक्टिविटीज का असर बच्चे की नींद पर न आने दें। बच्चे को जबरदस्ती बहुत जल्द सोने के लिए भेजने से अच्छा है कि उसकी सहूलियत के हिसाब से धीरे-धीरे समय एडजस्ट करें।
- सबसे पहले बच्चे के रिदम के अनुकूल समय सुनिश्चित करें।
- फिर इसे 15-15 मिनट प्रीपोन्ड करते जाएं तब तक जब तक कि बच्चे में सही समय पर सोने की आदत न पड़ जाए।
- अगर आप सुबह की धूप और रोशनी बच्चे के कमरे में आने देंगी तो वह जल्दी उठ जाएगा और रात में जल्दी सो जाएगा।
- बच्चे के सोने के समय यह सुनिश्चित करें कि कमरे में किसी प्रकार की रोशनी न आए।
- बच्चे के कमरे में किसी भी तरह की रोशनी के स्रोत और स्क्रीन जैसे टेलीविजन, मोबाइल फोन को बंद कर दें।
- ऐसा माहौल बनाएं, जिसमें बच्चे को गहरी नींद आए। कमरे से ऐसी चीजें हटा दें, जो शोर करें। कमरे में पर्दे डाल दें ताकि रोशनी कम हो।

उम्र के हिसाब से बच्चों की नींद

- जन्म से 6 महीने तक बच्चे लगभग 16 से 17 घंटे सोते हैं। कई बच्चे दिन में सोते हैं तो कई सिर्फ रात में। यह बच्चे के जीवन का सबसे सुकून भरा समय होता है। हालांकि, नींद का समय बच्चे की आदत पर निर्भर करता है कि वह कितना सोता है।
- 6 से 12 महीने के बच्चे के शरीर का विकास होना शुरू हो जाता है। इस उम्र में बच्चा चीजों को समझना और सीखना शुरू कर देता है। ऐसे में उसका शरीर थक जाता है और उसे कम से कम 12 से 15 घंटे की नींद अवश्य लेनी चाहिए। सोने का यह समय कुछ भी हो सकता है लेकिन दोपहर के समय उसे करीब 3 घंटे सोना चाहिए।
- 1 से 3 साल की उम्र में बच्चा काफी ऐक्टिव होने लगता है इसलिए उसका 13 घंटे की नींद पूरी करना जरूरी होता है। हालांकि अगर बच्चा एक साथ 2-3 घंटे लगातार सोए तो ज्यादा अच्छा होता है।
- 3 से 5 साल के बच्चे सामाजिक रूप से ऐक्टिव होने लगते हैं। बच्चों के विकास में नींद अहम भूमिका निभाती है। इस अवस्था में बच्चे को कम से कम 12 घंटे सोना जरूरी होता है। ऐसे में सही समय पर सोना बेहद आवश्यक है ताकि बच्चे को बीमारियों से बचाया जा सके।
- 5 से 10 साल में बच्चा बड़ा होता जाता है उसकी नींद कम होती जाती है क्योंकि उनके रोजाना के काम बढ़ने लगते हैं। वह थोड़ा बड़ा, समझदार और स्कूल जाना शुरू कर देता है। ऐसे में उसकी नींद का पूरा ध्यान रखें और कम से कम 10 से 12 घंटे की नींद अवश्य लेने को कहें।

हंसना मना है

पत्नी पति से-जी आपको याद है कि जब आप मुझे देखने आऐ थे तब मैंने किस रंग की साड़ी पहनी थी? पति -नहीं?
पत्नी-इसका मतलब की आप मुझसे प्यार नहीं करते। पति-अरे ऐसी बात नहीं है... जब कोई पटरी पर लेटने जाता है, तब वो ये थोड़ी देखता है की ट्रेन शताब्दी है या राजधानी।

पप्पू मोबाइल कम्पनी में नौकरी लेने गया तो पहले ही सवाल का जवाब देने पर उसको भगा दिया गया!
सवाल-सबसे बड़ा नेटवर्क कौन सा है?
पप्पू: कार्टून नेटवर्क!

लड़का : रो क्यों रही हो?
लड़की : मेरे मार्क्स बहुत कम आये हैं।
लड़का : बता कितने आये है?
लड़की : सिर्फ 88 प्रतिशत।
लड़का : ऊपरवाले का खौफ कर..इतने में तो 2 लड़के पास हो जाते।

पप्पू अपने ससुराल में गुरूजी का प्रवचन सुनने गया! गुरूजी बोले, जो-जो स्वर्ग जाना चाहता है, वह अपना हाथ ऊपर करे। पप्पू की बीवी और सास ने हाथ ऊपर उठाया गुरूजी ने पप्पू से पूछा, क्या तुम स्वर्ग नहीं जाना चाहते?
पप्पू, गुरू जी, यह दोनों चली जायेंगी तो यहीं पर स्वर्ग हो जायेगा।

कहानी — सच्ची शिक्षा

एक शहर में एक संत रहते थे वह प्रतिदिन साड़ी आदि बनाकर बाजारों में बेच देते थे, इसी से उनकी रोजी रोटी और घर चलता था। एक दिन एक धनी लड़का बाजार में उस संत के पास पहुंचा, वह संत को ढोगी समझता था अत: उसने संत की परीक्षा लेने की योजना बनाई। युवक ने संत से एक साड़ी का दाम पूछा संत ने बताया, लड़के ने उस साड़ी के दो टुकड़े कर दिए तो फिर एक का दाम पूछा संत ने 50 पैसे बता दिया, युवक ने उस साड़ी के दो और टुकड़े कर दिए और फिर एक का मूल्य पूछा संत ने शांत मन से 25 पैसे बता दिया। इस तरह उस लड़के ने साड़ी के टुकड़े टुकड़े कर दिए जिससे उसका दाम न के बराबर होता चला गया परंतु साधु चुप रहे तब लड़के ने संत को दो रुपए देते हुए कहा यह रहा तुम्हारे कपड़े का मूल्य । संत धैर्य पूर्वक बोले बेटा जब तुमने साड़ी खरीदी ही नहीं तो मैं उसका दाम कैसे ले सकता हूं। लड़का आश्चर्य से संत का मुंह देखने लगा, उसे अपनी हरकत पर दु:ख होने लगा। संत बोले बेटा यह दो रुपए क्या उस मेहनत के दाम के दे सकते हो जो इस साड़ी में लगे हैं। इसके लिए किसान ने साल भर खेत में पसीना बहाया है, मेरी पत्नी ने कतरने और बुनने में रात दिन एक किए हैं, मेरे बेटे ने उसे रंगा है और मैंने उसे साड़ी का रू प दिया है। यह सुनकर उस लड़के की आंखों में से आंसू छलक पड़े उसने संत से क्षमा मांगी और ऐसा व्यवहार किसी के साथ न करने की कसम खाई फिर वह बोला आप मुझे पहले भी तो रोक कर यह बात कह सकते थे, फिर आपने ऐसा क्यों नहीं किया । संत ने कहा अगर मैंने तुम्हें पहले रोक दिया होता तो तुम्हारा संयम पूरे तरीके से नष्ट नहीं होता और तुम शिक्षा को सही तरीके से अपने मन में नहीं बैठा पाते और अपने जीवन में नहीं उतार पाते धैर्य और विनम्रता के साथ दी गई शिक्षा व्यक्ति को अपूर्व परिवर्तित कर देती है, इससे उसके दुर्गुणों का नाश होकर सद्गुण का विकास होता है इसलिए अपने अंदर के दुर्गुणों को समाप्त करें।

10 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — व्यापार लाभप्रद रहेगा। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी। खानपान का ध्यान रखें। कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे।

वृषभ — आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। जीवनसाथी से संबंध घनिष्ठ होंगे। आलस्य का परित्याग करें।

मिथुन — आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है।

कर्क — गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। सामाजिक यश-सम्मान बढ़ेगा।

सिंह — नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। किसी की आलोचना न करें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या — कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें।

तुला — सुखद यात्रा के योग बनेंगे। स्वविवेक से कार्य करना लाभप्रद रहेगा। अधूरे कामों में गति आएगी।

वृश्चिक — कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याएं रह सकती हैं।

धनु — व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें। आर्थिक तंगी एवं पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा।

मकर — व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। धैर्य एवं संयम रखकर काम करना होगा। यात्रा आज न करें।

कुम्भ — दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं।

मीन — परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है।

बॉलीवुड | मन की बात

नोरा फतेही के गाने पर जमकर थिरकीं नीतू कपूर

बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन नोरा फतेही अपनी खूबसूरती और डांस के साथ अपने कमाल के फैशन सेंस के लिए भी पहचानी जाती हैं। कई बार तो दीवा के ग्लैमरस लुक से नजरें हटा पाना मुश्किल हो जाता है। एक बार फिर फैंस नोरा फतेही का स्टनिंग और सिलिंग लुक देखकर घायल हो गए हैं। नोरा फतेही का ये लुक किड्स रियलिटी शो डांस दीवाने जूनियर के एक धमाकेदार एपिसोड में नजर आया। हालांकि इस शो में सबसे खास रहा नीतू कपूर और नोरा फतेही का बेहद खूबसूरत और धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस। सोशल मीडिया पर डांसिंग क्वीन नोरा फतेही और एवरग्रीन ब्यूटी नीतू कपूर का एक जबरदस्त डांस वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसे नोरा फतेही ने फैंस के लिए अपने इंस्टा हैंडल पर शेयर किया है। नीतू कपूर और नोरा फतेही का ये वीडियो उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। दरअसल नोरा फतेही ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर नीतू कपूर, मर्जी पेस्टनजी और होस्ट करण कुंद्रा के साथ डांस करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। तीनों ने नोरा के गाने एक तो कम जिंदगानी और रब ने बना दी जोड़ी के हम हैं राही प्यार के गाने पर डांस किया। वीडियो में सभी फुल ऑन मस्ती में डांस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में नीतू कपूर चैरी कलर की साड़ी पहने हुए नजर आ रही हैं। हमेशा की तरह वे बहुत ही ज्यादा ग्रेसफुल और एलिगेंट लग रही हैं।

'KGF-2' तोड़ेगी बॉक्स ऑफिस के ऑल टाइम रिकॉर्ड्स

दिल्ली में 2000 में बीके फिल्म के टिकट्स

एडवांस बुकिंग से कमाई के मामले में 'RRR' को पीछे छोड़ा

साउथ के सुपरस्टार यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'KGF-2' रिलीज से पहले ही रिकॉर्ड्स तोड़ रही है। फिल्म ने ट्रेलर के बाद अब एडवांस बुकिंग में भी कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम कर लिए हैं। केजीएफ-2 ने पहले दिन की एडवांस बुकिंग से कमाई के मामले में 'RRR' का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ट्रेड एनालिस्टों को उम्मीद है कि 'KGF-2' रिलीज के पहले दिन (रिलीज-डे) ही बॉक्स ऑफिस पर दंगल, बाहुबली-2 और 'RRR' को पछाड़ कर ऑल टाइम रिकॉर्ड्स अपने नाम कर लेगी।

KGF-2 ने रिलीज से पहले ही देशभर में एडवांस बुकिंग से अब तक करीब 28.51 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है, जो एसएस राजामौली की 'RRR' से कहीं ज्यादा है। वहीं 'RRR' रिलीज से पहले फर्स्ट-डे एडवांस बुकिंग के जरिए केवल 5 करोड़ रुपए ही कमा पाई थी। इस लिहाज से देखा जाए तो KGF-2 की एडवांस बुकिंग कमाई 'RRR' से पांच गुना ज्यादा है। फिल्म विदेशों में भी एडवांस बुकिंग से जबरदस्त कमाई करनी शुरू कर चुकी है। KGF-2 के हिंदी वर्जन ने भी एडवांस बुकिंग से कमाई के मामले में 'RRR' को पीछे छोड़ दिया है। हिंदी वर्जन ने रिलीज से पहले ही एडवांस बुकिंग से अब तक 16.30 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली है। ट्रेड एनालिस्टों के मुताबिक, 'KGF-2' का हिंदी वर्जन सिर्फ नॉर्थ इंडिया में ही रिलीज से पहले एडवांस बुकिंग से 20 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर लेगी।

साउथ | मसाला

पहले दिन एडवांस बुकिंग से फिल्म के कन्नड़ वर्जन ने 7.60 करोड़, मलायलम ने 2.10 करोड़, तमिल ने 2.40 करोड़ रुपए और तेलुगू ने 11 लाख रुपए कमाए हैं। फिल्म के रिलीज डे के सुबह 6 बजे और बाकी के शोज भी हाउसफुल हैं। मुंबई और पुणे जैसे शहरों में भी फिल्म के सुबह 6 बजे के शोज हैं। फिल्म के टिकट्स मुंबई में 1450 से 1500 और दिल्ली में 1800 से 2000 रुपए में बिके हैं। इसके अलावा कई सिलेक्टेड लोकेशंस पर भी फिल्म के टिक्ट्स काफी हाई प्राइस में बीके हैं। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही KGF-2 का ट्रेलर रिलीज किया गया था। फिल्म के ट्रेलर ने भी कई रिकॉर्ड्स अपने नाम दर्ज किए। KGF-2 का ट्रेलर 24 घंटे के अंदर ही सबसे ज्यादा देखे जाने वाला इंडियन ट्रेलर बन गया था।

कंगना रनोट की फिल्म धाकड़ का टीजर हुआ रिलीज

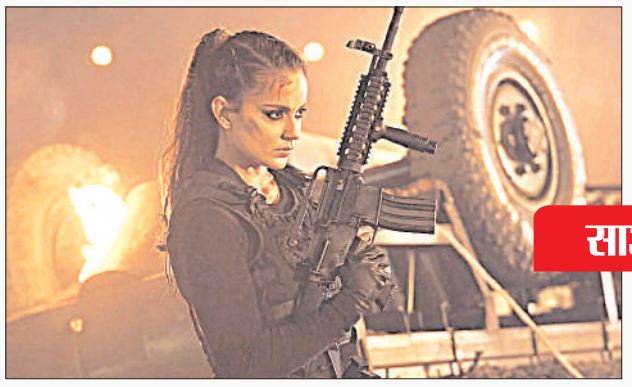

साउथ | मसाला

कंगना रनोट की अपकमिंग फिल्म धाकड़ का टीजर रिलीज किया गया है। एक्ट्रेस ने इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर कर फैंस को जानकारी दी है। कंगना ने इसके कैप्शन में लिखा है, एक्शन, स्टाइल, थ्रिल, ऑल इन वन एजेंट अग्नि इज हेयर! एक्ट्रेस इस फिल्म में एक नए अवतार में दिखेंगी। एजेंट अग्नि के रूप में, एक्ट्रेस ने अपने सात अलग-अलग लुक और कई कॉम्बेट सीन्स से ऑडियंस को सरप्राइज कर दिया है। यह इंटरनेशनल टेक्निशियन द्वारा डिजाइन और कोरियोग्राफ किया गया है। कंगना रनोट यूनिक हेयरडोज और कॉम्बेट अटायर में अपने वॉरियर अवतार का प्रदर्शन करती नजर आएंगी। सिनेमाघरों में फिल्म 20 मई 2022 को रिलीज की जाएगी।

अजब-गजब | 2 साल की उम्र में अकेले कर लाते हैं शॉपिंग

दुनिया में सबसे अलग हैं जापानी बच्चे

जापान के बारे में आपने तमाम ऐसी बातें सुनी होंगी, जो वहां के लोगों की अलग तरह की सोच और लाइफस्टाइल को दिखाता है। दुनिया से बिल्कुल अलग धारा में चलने वाले जापानी कल्चर में अनुशासन और आत्मनिर्भरता बच्चों को छोटी उम्र से ही सिखाई जाता है तभी तो यहां 2-3 साल की उम्र में भी बच्चों को अकेले घर से बाहर निकलने के लिए ट्रेन किया जाता है।

आपको सुनकर हैरानी हो रही होगी, लेकिन जिस उम्र में हम बच्चों को गोदी में उठाकर सड़क पार करते हैं, उस उम्र में जापानी बच्चे अकेले ही बाजार पहुंच जाते हैं और जरूरी शॉपिंग करके वापस भी आ जाते हैं। जापानी मम्मियां उन्हें प्यार-दुलार के साथ-साथ जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता की भी सीख देती हैं। जापान के इसी कल्चर पर आधारित एक जापानी सीरीज Old Enough इंटरनेट पर खासी सुर्खियां बटोर रही है।

Daily Mail की रिपोर्ट के मुताबिक जापान में 1990 के दौर में रिलीज़ हुई सीरीज़ Hajimete no Otsukai में पहली बार छोटे बच्चों को इतने आराम से घर से बाहर बिना किसी अभिभावक के जाते हुए

देखा गया। अब इसे यूके में भी स्ट्रीम किया जा रहा है। सीरीज़ के 20 एपिसोड में बच्चे अकेले ही सुपरमार्केट से शॉपिंग करते, फ्रूट जूस बनाते और सड़क क्रॉस करते देखे जाते हैं। ये सब कुछ वे बिना माता-पिता की मदद के ही कर रहे हैं। शूट के दौरान बच्चों की सुरक्षा के नज़रिये पूरा बैकअप लिया जाता है, लेकिन बच्चों की स्मार्टनेस देख कोई भी हैरान रह जाए। ये शो जापान में पिछले 30 साल से चल रहा है। 2-3 साल की उम्र के बच्चे आराम से अपनी बात कह सकते हैं और शॉपिंग कर सकते हैं। घर के सामान से लेकर फूल और चॉकलेट्स, सब कुछ खरीदना उन्हें आता है। अगर बच्चे ऐसी चीजों से डरते हैं, तो जापानी मम्मियां उन्हें रोकती नहीं, बल्कि साहस देती हैं। वैसे जापान के स्कूलों में भी बच्चों को आत्मनिर्भरता भरपूर सिखाई जाती है। वे जहां पढ़ते हैं, उस जगह की साफ-सफाई करना और शारीरिक से लेकर मानसिक अनुशासन का पालन भी बच्चे स्कूल से ही सीखते हैं। यही वजह है कि जापानी लोगों की उम्र से लेकर तकनीकी समझ तक में उन्हें मात देना आसान नहीं है।

दोनों हाथों से एक साथ फटाफट लिखती है लड़की

क्या कभी आपने अपने दोनों हाथों से एक साथ एक बार में दो अलग काम करने की कोशिश की है? अगर नहीं तो एक बार जरूर ट्राय करिएगा, आप खुद-ब-खुद समझ जाएंगे कितना मुश्किल काम होता है दोनों हाथों का एक साथ अलग डायरेक्शन में काम करना, लेकिन 18 साल की लड़की ने अपने हाथों से ऐसा हुनर दिखाया कि देखने वाले दंग रह गए। कर्नाटक के मंगलुरू की रहने वाली आदी स्वरुपा ने कम उम्र में इतना बड़ा कारनामा कर दिखाया कि पैरेंट्स, शहर, राज्य ही नहीं बल्कि देश का नाम भी रोशन कर दिया। आदी अपने दोनों हाथों से एक साथ, एक बराबर स्पीड में कुछ भी लिख लेती है। इतना ही नहीं वो एक साथ दो भाषाओं में लिखने में भी उतनी सहज रहती हैं जितना एक भाषा में। इसी कला के बूते आदी ने विश्व रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। 18 साल की स्वरूपा गुणों की खान हैं। उन्हें एक दो नहीं बल्कि 6 से 7 भाषाओं में महारत हासिल है जिनमें से किसी भी भाषा में वो त्वरित गति से लिख सकती हैं इसके अलावा उन्हें एक साथ अलग-अलग भाषा में लिखने, एक साथ लगभग 10 तरीकों से लिख सकने में महारत हासिल है। वो दोनों हाथों से यानि एक साथ दोनों हाथों राइटिंग के अलग-अलग स्टाइल में लिख लेती हैं। साथ ही साथ आदी एक मिनट में करीब 40 शब्द लिखने का करिश्मा भी कर चुकी हैं। नार्वे में ग्रीन बेल्ट एंड रोड इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने वाली भारत की बेटी की इस उपल्बधि पर बधाई देते हुए उसका वीडियो अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया जिसके बाद बधाई देने वालों का तांता लग गया। ट्विटर पर आदी के वीडियो पोस्ट होने के बाद कुछ ही घंटों में करीब 1 लाख व्यूज हो चुके हैं। इसके अलावा 4 हज़ार से ज्यादा लोगों ने उन्हें लाइक किया और बधाई भरे संदेश लिखे। आदी हिन्दी, कन्नड़, अंग्रेज़ी, तुलु, मलयालम भाषाओं को 10 अलग-अलग स्टाइल में लिखने में पारंगत हैं। वो भी एक साथ दोनों हाथों से।

आर्मी के टैंकर से टकरायी बाइक, दो लोगों की मौत

» मुजफ्फरनगर में पुरकाजी के पास हाईवे पर हादसा, धू-धूकर जली बाइक

» दिल्ली से रुड़की जा रहे थे बाइक सवार, पुलिस कर रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून हाईवे स्थित फलौदा कट पर सड़क किनारे खड़े आर्मी आयल टैंकर से टकराकर घायल हुए दो बाइक सवारों की उपचार के दौरान मौत हो गई। दोनों बाइक सवार दिल्ली से रुड़की की ओर जा रहे थे। टक्कर के बाद बाइक ने आग पकड़ ली और धू-धूकर जल उठी जिसके चलते दोनों सवार भी घायल होने के साथ झुलस भी गए। दोनों बाइक सवारों को रुड़की स्थित आर्मी हास्पिटल में भर्ती कराया गया था।

थाना पुरकाजी के एसएसआई रघुराज सिंह के अनुसार आज सुबह पल्सर बाइक पर सवार होकर दो व्यक्ति दिल्ली से रुड़की की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 5 बजे जैसे ही बाइक पुरकाजी थाना क्षेत्र के फलौदा कट के समीप पहुंची और वहां खड़े आर्मी के टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तुरंत ही बाइक ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते बाइक आग का गोला बन गई। टक्कर से घायल दोनों बाइक सवार झुलस भी गए। आर्मी जवान दोनों घायलों को तुरंत ही रुड़की स्थित मिल्ट्री सैन्य अस्पताल लेकर पहुंचे और उपचार शुरू कराया लेकिन उपचार शुरू होने के कुछ देर बाद ही दोनों बाइक सवारों की मौत हो गई। एसएसआई का कहना है कि पुलिस सारे मामले की जांच में जुटी है। हादसे में जान गंवाने वालों में दिल्ली निवासी सोनू पुत्र श्रवण कुमार तथा अमित पुत्र अज्ञात शामिल हैं। मृतकों के परिजनों को सूचना भेजी गयी है। मौत की सूचना से परिवार में कोहराम मचा है।

शामली में हादसा, तीन घायल

शामली। जिले के कांधला थाना क्षेत्र के देहली सहारनपुर हाइवे मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां कांधला थाना क्षेत्र के गांव जसाला के निकट तेज रफ्तार कार ने एक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिसके चलते बाइक पर सवार दो महिलाओं सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें राहगीरों की मदद से कस्बे के सरकारी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। हादसे में कांधला थाना क्षेत्र के गांव मतनावली निवासी श्याम सिंह, गीता व महिला सेहेंद्ररी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

बेटे ने चाचा के साथ मिलकर पिता को उतारा मौत के घाट

» संपत्ति के बंटवारे को लेकर हुआ था विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रकूट। जिले में बंटवारे के विवाद में बेटे ने चाचा के साथ मिलकर पिता की हत्या कर दी। पिता पर लाठियों से ताबड़तोड़ प्रहार किए। बीच बचाव में आए बड़े बेटे व नाती को भी गंभीर चोटें आई है। पुलिस ने बड़े बेटे की तहरीर पर आरोपी चाचा-भतीजे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पहाड़ी थाना अंतर्गत दरसेंड़ा गांव निवासी चंद्रभान मिश्रा (70) के दो पुत्र राजेंद्र व जितेंद्र हैं। छोटे बेटे जितेंद्र को चाचा बाबू ने गोद लिया है। आठ वर्ष पूर्व परिवार का बंटवारा भी हो चुका था। भट्ठे के बंटवारे को लेकर छोटे बेटे जितेंद्र का पिता से विवाद हो गया। बात इस कदर बढ़ी कि जितेंद्र ने चाचा बाबू के साथ मिलकर पिता पर लाठियों से प्रहार शुरू कर दिया। चीख पुकार मचने पर चंद्रभान के बड़े बेटे राजेंद्र व नाती अनुज ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो हमलावर चाचा-भतीजे ने उन्हें भी पीटकर लहूलुहान कर दिया। चंद्रभान को मरणासन्न हालत में छोड़कर जितेंद्र व बाबू वहां से भाग निकले। परिजन किसी तरह तीनों घायलों को लेकर सीएचसी पहुंचे जहां से चंद्रभान को पहले जिला अस्पताल फिर प्रयागराज रेफर किया गया। प्रयागराज जाते वक्त रास्ते में चंद्रभान ने दम तोड़ दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष अजीत पांडेय ने बताया कि मृतक के बड़े बेटे की तहरीर पर बाबू व जितेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

गुटखा व्यवसायी के घर छापा सोफे और गद्दों से निकले नोट

» नौकरों के नाम पर हो रही थी हेराफेरी, सोना भी बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर विभाग की टीम ने गुटखा व्यवसायी के मकान एवं फैक्टरी में छापा मारा। टीम ने करीब 18 घंटे तक जांच पड़ताल की। इसमें साढ़े छह करोड़ की नकदी और बड़ी मात्रा में सोना बरामद किया गया। टीम ने बरामद नकदी व अन्य सामान तीन बक्सों में भरकर एसबीआई के अधिकारियों के सुपुर्द किया है।

जांच में पता चला कि गुटखा व्यवसायी अपना करोड़ों का धंधा दो नौकरों के नाम से कर रहा है। आवास व फैक्टरी से मिले कागजातों से टैक्स चोरी की भी पुष्टि हुई है। सीजीएसटी की टीम ने दयाल गुटखा के निर्माता पुरानी गल्ला मंडी निवासी व्यवसायी जगत गुप्ता के आवास पर छापा मारा था। आवास के नीचे के हिस्से में ही गुटखा फैक्ट्री भी संचालित है। सूत्रों के अनुसार टीम के हाथ कुछ ऐसे कागजात भी लगे हैं, जिनसे साबित होता है कि जगत अपना पूरा कारोबार अपने दो पुराने नौकरों राकेश पंडित और सहदेव गुप्ता के नाम से चला रहा है। जगत ने साल 2013 के बाद दयाल गुटखा का रजिस्ट्रेशन राकेश पंडित और तंबाकू का रजिस्ट्रेशन सहदेव गुप्ता के नाम से करा रखा है। दोनों ही जगत के मुनीम बताए जाते हैं। टीम के डिप्टी कमिश्नर बृजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि गुटखा व्यवसायी के आवास एवं फैक्टरी से टैक्स चोरी से संबंधित भी कुछ कागजात हाथ लगे हैं। पूरी बरामदगी का खुलासा जल्द ही किया जाएगा। सीजीएसटी की टीम जिस वक्त गुटखा व्यवसायी जगत के आवास पर कागजातों की जांच पड़ताल कर रही थी, इसी बीच एक कमरे में पड़े बेड के नीचे से नोटों के बंडल बरामद होते ही टीम सदस्यों की सक्रियता और तेज हो गई। सूत्रों के अनुसार इसके बाद और सोफे व गद्दों से जब नोट निकलने लगे तो उनकी गिनती के लिए टीम ने एसबीआई से मशीनें मंगाई। तीन मशीनों से घंटों तक नोटों की गिनती की गई।

चोरों ने बाग से चुराये करीब 60 किलो नींबू पुलिस ने शुरू की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। आसमान छूते नींबू के दामों के बीच अब इसकी चोरी भी होने लगी है। इटावा के जसवंतनगर इलाके के श्यामनगर के एक बाग से चोरों ने नींबू चुरा लिए। बाग मालिक तरुण मिश्रा ने पुलिस से इसकी शिकायत की है। शिकायत में कहा गया है कि उनके बाग से चोरों ने करीब 60 किलो नींबू चुरा लिए हैं।

बाग मालिक तरूण मिश्रा ने बताया कि उनके घर के पीछे बाग है। उसमें अन्य वृक्षों के साथ नीबू के पेड़ लगे हुए हैं, जिनमें लगे नींबू चोरों की नजर से नहीं बच सके। मौजूदा समय में एक नींबू की कीमत आठ से दस रुपये अथवा 250 से 300 रुपये किलो तक है। इस हिसाब से चोर बाग से हजारों रुपये के नींबू तोड़ ले गए हैं। इसकी तहरीर दे दी है। इस मामले में इटावा के एसपी सिटी कपिल देव सिंह ने जसंवतनगर थाने के प्रभारी निरीक्षक को इस बात के निर्देश दिये हैं कि घटना की जांच कर असलियत बताएं।

'एक कोशिश ऐसी भी' संस्था को मिला लालजी टंडन सामाजिक सेवा पुरस्कार

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदान किया पुरस्कार

» एक कोशिश ऐसी भी संस्था की वर्षा वर्मा ने जताया आभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और बिहार के राज्यपाल रहे लालजी टंडन की जयंती के मौके पर अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में लालजी टंडन फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में एक कोशिश ऐसी भी, उम्मीद संस्था, स्वच्छ पर्यावरण प्रोत्साहन आंदोलन सेना एवं पावर विंग को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए लालजी टंडन सामाजिक सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुरस्कार प्रदान किए।

इस मौके पर एक कोशिश ऐसी भी संस्था की वर्षा वर्मा ने कहा कि बाबूजी की जयंती के मौके पर संस्था को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके लिए मैं आशुतोष टंडन का तहेदिल से आभार व्यक्त करती हूं। साथ ही उन लोगों का भी आभार व्यक्त करती हूं जो कठिनाई के समय हमारे साथ सदैव किसी न किसी रूप में रहे। इस सुखद क्षणों के वे सभी हकदार है।

हाईकोर्ट : हटाए गए मुख्य स्थायी अधिवक्ता चतुर्थ भईया लाल वर्मा

» पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के थे करीबी, न्याय विभाग ने जारी किया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में नियुक्त मुख्य स्थायी अधिवक्ता चतुर्थ भईया लाल वर्मा को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। उन्हें पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य का करीबी बताया जाता है। यह आदेश न्याय विभाग के अनु सचिव विनय कुमार पाठक की ओर से जारी किया गया है।

आदेश में कहा गया है कि भईया लाल की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाती है। बता दें कि मंगलवार को सरकार ने अपर महाधिवक्ता ज्योति सिक्का व स्थायी अधिवक्ता अमित मिश्रा को हटा दिया था। इससे पूर्व सरकार अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता एचपी श्रीवास्तव व कुछ अन्य सरकारी अधिवक्ताओं को भी हटा दिया था। महाधिवक्ता राघवेंद्र सिंह ने भी कई दिन पहले अपना सरकारी कार्यालय खाली कर दिया है साथ ही आवंटित स्टाफ भी वापस कर दिये हैं। इस बीच सचिवालय में ब्रीफ होल्डरों की चल रही स्क्रीनिंग को लेकर अवध बार एसोसिएशन के महासचिव अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी ने जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय व जस्टिस सुभाष त्रिपाठी की पीठ के सामने आपत्ति दर्ज कराई है।

तो बुलडोजर ने राजनीति में बना ली है जगह!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

लखनऊ। यूपी में योगी आदित्यनाथ की सरकार दोबारा आने के साथ ही बुलडोजर का असर दिखाना शुरू हो गया है। प्रदेश में अवैध निर्माण हो या फरार अपराधी की संपत्ति सब पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। चुनाव के दौरान योगी आदित्यनाथ ने खुद की छवि बुलडोजर बाबा के तौर पर स्थापित कर दी। सवाल यह है कि लोकतंत्र में इसके फायदे और नुकसान क्या हैं? इसी मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सुशील दुबे, डॉ. अमित चंदन, उमाशंकर दुबे, प्रबल प्रताप शाही, संतोष दुबे और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

उमाशंकर दुबे ने कहा कि गोमतीनगर विस्तार में एक लाख स्कवायर फिट की वीके सिंह की जमीन है, बिल्डिंग हैं, खसरा नंबर 28, 29, 30। उस पर उनका अनाधिकृत कब्जा है जो एलडीए की संपत्ति है मगर कार्रवाई नहीं हुई। बिल्डिंग नहीं गिराई जा सकी। सरकार जिसकी भी चाहेगी बिल्डिंग गिरा देगी और जिस पर मेहरबान तो मेहरबान। सुशील दुबे ने कहा आज ये पॉलिटिकल बुलडोजर चल रहा है। भय की जेसीबी चल रही है। आने वाले समय के लिए ये उचित नहीं है। डॉ. अमित चंदन ने कहा, कह सकते हैं कि राजनीति का बुलडोजर चल रहा है। एक तरीके से भय क्रिएट किया जा रहा है। ये जो चल रहा है, बदले की भावना में परिवर्तित होने वाला है क्योंकि जब सरकार बदलेगी तो भविष्य में जाकर कहीं न कहीं ये विकराल रूप लेगा। सत्ता किसी की भी हो, वह अपने लोगों का संरक्षण जरूर करता है। बिल्डिंगों को गिराने की बजाय उसे कानूनी रूप से सरकार अपने कब्जे में लेकर समाज के काम में उपयोग करें तो बेहतर होगा। प्रबल प्रताप शाही ने कहा भाजपा के लोग तालिबान से ज्यादा प्रभावित हैं। जैसे तालिबान का शासन कोई आदेश नहीं मानता कोर्ट-कचहरी को नहीं मानता, वैसे ही वर्तमान सरकार है। बस एक ही दिन में प्रक्रिया के तहत बिल्डिंग गिरा दी जाए। संतोष दुबे ने भी परिचर्चा में विचार रखे।

गजब कारनामा कर रहे है यूपी के अफसर! बरेली के नगर आयुक्त पर रिश्वत के आरोप में मुकदमा

अपर नगर आयुक्त समेत अन्य अफसरों पर भी घूस लेने का आरोप, परिवाद दर्ज

भूमाफियाओं से रिश्वत लेकर मिशन मार्केट की दुकानों को कब्जाने की कोशिश की गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बरेली नगर निगम के अफसरों व अधिकारियों पर भूमाफिया से रिश्वत लेकर मिशन कंपाउंड स्थित दुकानों को कब्जाने का आरोप लगाया गया है। इस प्रकरण में स्पेशल जज भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम कोर्ट एक ने अर्जी पर बतौर परिवाद दर्ज कर सुनवाई शुरू कर दी है। किला फूलबाग निवासी डॉ अनुपमा राघव ने नगर आयुक्त अभिषेक आनंद, अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह व सहायक लेखाधिकारी प्रभारी राजस्व हृदय प्रकाश के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने को स्पेशल जज भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम कोर्ट एक के समक्ष अर्जी दी थी, जिसे कोर्ट ने बतौर परिवाद स्वीकार कर लिया।

इस मामले में वादिनी ने कोर्ट में अपने बयान दर्ज कराते हुए कहा कि 6 जून 1995 को नगर निगम के तत्कालीन प्रशासक द्वारा मृतक आरिक्षत कोटे में नौकरी के एवज में शिन मार्केट में उनको तीन दुकानों का आवंटन किया गया था। कब्जा 2001 में कोर्ट के आदेश पर मिला था। वर्ष 2004 में नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने के नाम पर दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया था, जिसकी शिकायत महिला आयोग, शासन के आला अधिकारियों से करने पर नगर निगम ने पुन: दुकानों का निर्माण करवाया और 2011 में कब्जा दिया गया।

जांच में तत्कालीन जांच अधिकारी आईएएस अनीता चटर्जी ने भी स्पष्ट रूप से अंकित किया कि दुकानों के पीछे मिशन कम्पाउंड की भूमि को बिल्डर ने खरीद लिया है। वादिनी ने आरोप लगाया कि नगर आयुक्त अभिषेक आनन्द की नियुक्ति के समय से ही सचिन भारद्वाज व नगर निगम द्वारा ब्लैक लिस्ट की गयी विज्ञापन कम्पनी के संचालकों में हरीश अरोड़ा आदि लोग शामिल हैं, दोबारा उनकी दुकानों को हासिल करने के प्रयास में लग गए। आरोप है कि अभिषेक आनंद ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर बिल्डरों से दो करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर उनका आवंटन निरस्त कर दुकानें पांच दिन में खाली करने अन्यथा कब्जा हटवाने का नोटिस जारी कर दिया।

» नगर आयुक्त अभिषेक आनंद ने बिल्डरों से साठगांठ कर मामले को दिया अंजाम

22 अप्रैल को होगी मामले में सुनवाई

आरोप है कि 22 अक्टूबर 2020 को नगर निगम अधिकारियों ने वादिनी को बुलाकर 10 लाख रुपये देने का दबाव बनाया, अन्यथा दुकानें तोड़ डालने की बात कही। मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट में नगर निगम के पैनल के अधिवक्ता के बजाए सीनियर काउंसिल को व्यक्तिगत तौर पर केस में दाखिल किया गया है। कोर्ट ने वादिनी के बयान के दर्ज करने के बाद गवाह के बयान दर्ज कराए जाने को 22 अप्रैल की तिथि नियत की है।

मैनपुरी पहुंचे अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं से करेंगे संवाद

» मुलायम सिंह यादव के आने का हो रहा इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी व आसपास जिलों के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करने के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव मैनपुरी पहुंच चुके हैं। अखिलेश यादव पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के लिए दोपहर करीब एक बजे मैनपुरी पहुंच गए। सबसे पहले वह हिंदपुरम कालोनी में एक निजी कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद आवास विकास कालोनी स्थित पार्टी के जिला कार्यालय पहुंचे। अभी सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के आने का इंतजार हो रहा है। इसके बाद वह कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

इससे पहले बता दें कि कल अखिलेश यादव ने विधान परिषद चुनाव के नतीजों को लेकर कहा कि स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भाजपा की मनमानी और धांधली की सभी हदें पार हो गईं। भाजपा ने लोकतंत्र को कुचलने का काम किया है उसके लिए भाजपा को इतिहास कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि दूसरों को जातिवादी बताने वाली भाजपा की ये सच्चाई है कि एमएलसी चुनाव की 36 सीटों में से कुल 18 पर मुख्यमंत्री के स्वजातीय जीते हैं। एससी-एसटी, ओबीसी को दरकिनार कर ये कैसा 'सबका साथ, सबका विकास' ? सामाजिक न्याय को लोकतंत्र के जरिए मजबूत करने की लड़ाई समाजवादी लड़ते रहेंगे। भाजपा को संविधान, लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की प्रक्रिया में जरा भी विश्वास नहीं है। वह धन-बल और छल से येन-केन-प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के साथ ही लोकतंत्र की सभी मर्यादाओं को भी तार-तार करने में लगी है।

बीएसपी मूवमेंट रुकने व झुकने वाला नहीं : मायावती

» बसपा मुखिया ने विपक्षी दलों पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख और प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आंबेडकर जयंती पर लखनऊ में आज बहुजन समाज पार्टी प्रदेश कार्यालय पर भीमराव आंबेडकर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधा।

आंबेडकर जयंती की बधाई देते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि संविधान शिल्पी परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उनके अनुयाइयों की ओर से उन्हें शत-शत नमन व हार्दिक श्रद्धा-सुमन। करोड़ों कमजोर व उपेक्षित वर्गों तथा मेहनतकश समाज आदि के हित व कल्याण के प्रति उनके महान व ऐतिहासिक योगदान के लिए देश हमेशा ऋणी व कृतज्ञ रहेगा। विपक्षी दलों पर हमला करते हुए बसपा प्रमुख बोलीं कि जातिवादी मानसिकता से ग्रस्त विरोधी पार्टियों व इनकी सरकारें बाबा साहेब के संघर्षों व संदेशों की कितनी ही अवहेलना करके उनके अनुयाइयों पर शोषण, अन्याय-अत्याचार व द्वेष आदि जारी रखें, किन्तु उनके आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का बीएसपी मूवमेन्ट रुकने व झुकने वाला नहीं है।

साइबर अपराध के मुकदमों की जांच तेज कराएं : मुकुल गोयल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। साइबर अपराध की बढ़ती घटनाओं के बीच पुलिस ने अपनी सक्रियता बढ़ाते हुए ठगी का शिकार लोगों की लुटी हुई रकम को बचाने के लिए सार्थक प्रयास भी किये हैं। साइबर क्राइम सेल की सक्रियता का परिणाम है कि साइबर ठगी के 853 मुकदमों में पुलिस ने विभिन्न बैंकों की मदद से पीड़ितों की 2.59 करोड़ रुपये से अधिक रकम को लुटने से बचाया है। इस रकम को बैंकों की मदद से पेमेंट गेटवे पर होल्ड कराया गया और यह रकम साइबर अपराधियों के खातों में जाने से बचा ली गई। डीजीपी मुकुल गोयल ने साइबर अपराध के मुकदमों की जांच तेज कराये जाने के साथ ही लोगों को जागरूक करने के प्रयास और तेज किये जाने का निर्देश दिया है। इस वर्ष अब तक साइबर क्राइम सेल ने ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के अपराधों में पीड़ितों से ठगी गई धनराशि वापस कराने तथा बैंकों में धनराशि को होल्ड कराने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

बाबा साहेब को हराने वाले को कांग्रेस ने दिया पद्म पुरस्कार : स्मृति ईरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी आज अचानक वाराणसी पहुंचीं और पार्टी कार्यालय पर आयोजित सामाजिक समरसता दिवस पर समारोह को संबोधित किया। इस दौरान पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इसके पूर्व सुबह स्मृति ईरानी विमान से बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचीं तो पार्टी की ओर से उनका स्वागत किया गया, इसके बाद वह शहर के लिए रवाना हो गईं।

वाराणसी पहुंची केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस को घेरा

रोहनिया स्थित पार्टी मुख्यालय पर उन्होंने सामाजिक समरसता दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि कुछ पार्टियां वर्ग विशेष की राजनीति कर रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कभी जाति या वर्ग के नाम पर वोट नहीं मांगते हैं। वह विकास की बात करते हैं, जो बाबा साहब का सपना था। काशी ने पीएम मोदी को यहां से सांसद चुना और देश ने सेवक मिला जो लगातार बाबा साहब के सपनों को पूरा कर रहा है। देश में सशक्त भारत की संकल्पना तब ही साकार होगी जब सरकार के खजाने पर सभी गरीबों का हक हो। डॉक्टर आंबेडकर के सपनों का भारत आमजन की मदद का था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।